

भारत सरकार
Government of India
केन्द्रीय जल आयोग
Central Water Commission
बाढ़ पूर्वानुमान प्रबोधन निदेशालय
Flood Forecast Monitoring Directorate
Tele : 011-29583829, 29583545
e-mail : fmdte@nic.in, ffwmc@gmail.com

भूतल, विंग 7, पश्चिमी खण्ड-2,
रामाकृष्ण पुरम, नई दिल्ली-110066

विषय : दिनांक 02/06/2024 की समाचार की कतरन (News Clippings) प्रस्तुत करने के सम्बन्ध में ।

मानसून/ बाढ़ सम्बन्धी समाचारों की कतरन (News Clippings) अवलोकन हेतु प्रस्तुत हैं :

संदर्भ : उपरोक्तानुसार

Shahina
22/06/24
(सहायक निदेशक)
EAD (HM)

उपनिदेशक *Awah*
21/6/2024

निदेशक (वा.प.प्र.)
21/6/2024

Assam flood toll reaches 15, over 600k affected in state

Press Trust of India

letters@hindustantimes.com

GUWAHATI: The toll in floods in Assam increased to 15 after three more persons lost their lives in the calamity, as the number of affected population went up to over 600,000, an official bulletin said on Saturday.

The number of affected people was 3.5 lakh in 11 districts on Friday.

An Assam State Disaster Management Authority (ASDMA) release, however, said the number of affected districts has come down to 10.

One death each was reported from Cachar, Hailakandi and Karimganj districts, taking the toll in floods and storms from

May 28 to 15.

Three major rivers, Kopili, Barak and Kushiya, were flowing over the danger level, the ASDMA bulletin said.

The number of affected population has reached 601,642, with Nagaon being worst-hit with 279,345 reeling under waters. Among the other severely hit districts are Hojai (126,813 affected population) and Cachar (112,265).

Altogether 41,564 displaced people have taken shelter in 187 relief camps set up in various districts. NDRF, SDRF, local administration and people were engaged in carrying out rescue and relief operations.

Assam Police, in a post on X, said that a total of 966 people

and 89 animals have been rescued till Saturday. "Teams are on the ground, working day and night to ensure the safety and well-being of all affected. We remain steadfast in our commitment to saving lives and providing unwavering support during this challenging time," it added.

Road and rail communication in several parts of the state remained disrupted following incessant rain in the aftermath of cyclone 'Remal', officials said.

In Cachar district, all educational institutions were closed on Saturday due to the prevailing weather conditions, an official release said, adding that scheduled semester and compartmental exams will be held as planned.

भारत सरकार
Government of India
केन्द्रीय जल आयोग
Central Water Commission
बाढ़ पूर्वानुमान प्रबोधन निदेशालय
Flood Forecast Monitoring Directorate

Tele : 011-29583829, 29583545

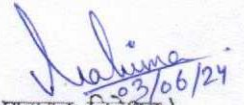
e-mail : fmdte@nic.in, ffwmcw@gmail.com

भूतल, विन 7, पश्चिमी खण्ड-2,
रामाकृष्ण पुरम, नई दिल्ली-110066

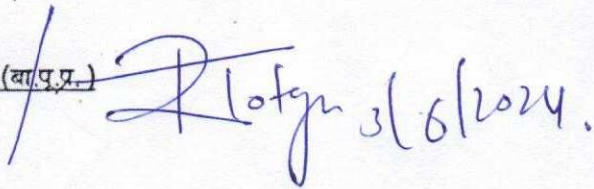
विषय : दिनांक ...02/06/2024 की समाचार की कतरन (News Clippings) प्रस्तुत करने के सम्बन्ध में ।

मानसून/ बाढ़ सम्बन्धी समाचारों की कतरन (News Clippings) अवलोकन हेतु प्रस्तुत हैं :

संलग्न : उपरोक्तानुसार


(सहायक निदेशक)
EAD (HM)

उपनिदेशक
25 जुलाई
03/06/2024

निदेशक (बा.प.प्र.)

3/6/2024.

केरल में मॉनसून से भारी तबाही, जलभराव, सड़कें दरकीं, पेड़ गिरे

■ भाषा, तिरुवनंतपुरम

केरल में इस बार जल्द दस्तक देने वाले दक्षिण-पश्चिम मॉनसून ने कई हिस्सों में भारी तबाही मचाई है। इलाकों में भारी बारिश से भूस्खलन, पेड़ों के उखड़ने और जलभराव की स्थिति हो गई। कोट्टायम, इडुक्की और एर्नाकुलम के कुछ हिस्सों में शुक्रवार रात से ही भारी बारिश हो रही है जो शनिवार को भी जारी रही। शुक्रवार रात पहाड़ी जिले इडुक्की के अंदरूनी इलाकों में स्थित पूचपरा और कोलप्परा इलाकों में भूस्खलन और पेड़ों के उखड़ने की सूचना है। भूस्खलन से कुछ मकान और वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। गनीमत है कि किसी की जान जाने की खबर नहीं है।

भूस्खलन के संभावित खतरे के कारण थोडुपुझा-पुलियानमाला स्टेट हाइवे पर यातायात पर रोक लगा दी गई है। इडुक्की में मलंकारा बांध के पांच द्वार खोले जाने के बाद जिला अधिकारियों ने थोडुपुझा और मुवतुपुझा नदियों के किनारे रहने वालों को सावधानी बरतने की सलाह दी है। कोट्टायम के कई हिस्सों में लगातार कई घंटों तक हुई बारिश के कारण जलभराव हो गया और यातायात बाधित हो गया है। एर्नाकुलम के अलुवा क्षेत्र में 31 मई की रात से भारी बारिश हो रही है।

30 मई को आ गया मॉनसून

दक्षिण-पश्चिम मॉनसून ने 30 मई को ही केरल और पूर्वोत्तर क्षेत्र में दस्तक दे दी। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, रविवार को पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश से टकराने वाले चक्रवात 'रेमल' ने मॉनसून के प्रवाह को बंगाल की खाड़ी में खींच लिया था, जो पूर्वोत्तर में मॉनसून के जल्दी दस्तक देने का एक कारण हो सकता है। त्रिशूर जिले में शनिवार सुबह से भारी बारिश हो रही है, जिससे लोग बड़ी संख्या में बस अड्डों और रेलवे स्टेशन पर फंसे हुए हैं। शहर के विभिन्न हिस्सों में जलभराव और यातायात जाम की सूचना है। निचले इलाकों और नदी के किनारों के कई हिस्सों में बाढ़ की चेतावनी दी गई है।

15 जून तक MP में होगा

दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के मध्य प्रदेश में दो दिन पहले 15 जून तक पहुंचने की संभावना है। मॉनसून में राज्य में सामान्य से अधिक बारिश होने की उम्मीद है।



कई लोगों के मकान गिरे, कई वाहन क्षतिग्रस्त

थोडुपुझा-पुलियानमाला स्टेट हाइवे पर ट्रैफिक रुका
नदियों के किनारे रहने वालों की सावधानी बरतने की सलाह

असम: बाढ़ से 3.5 लाख लोग प्रभावित

भाषा, गुवाहाटी: असम में बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है और 11 जिलों में 3.5 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि चक्रवात 'रेमल' की वजह से हुई भारी बारिश के कारण राज्य के कई हिस्सों में सड़क और रेल संपर्क कट गया है। सबसे अधिक असर कछार जिले में है, जहां मौसम की मौजूदा स्थिति के मद्देनजर सभी शैक्षणिक संस्थान बंद हैं। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने बताया कि करीब 3,000 लोगों ने राहत शिविरों में शरण ली है, वहीं जोखिम वाले इलाकों में फंसे लोगों को निकालने में कई बचाव एजेंसियां जुटी हुई हैं। कछार जिले में 1,19,997 लोग प्रभावित हुए हैं। राज्य में 28 मई से बाढ़, बारिश और तूफान के कारण जान गंवाने वाले लोगों की संख्या 12 पहुंच गई है। लगातार बारिश होने के कारण बराक घाटी और दीमा हसाओ में रेल और सड़क संपर्क बाधित हो गया है। कई ट्रेनें रद्द कर दी गई हैं।

...इधर लू से 36 घंटों में 45 ने जान गंवाई

■ एनबीटी न्यूजडैस्क

कहर बरपाती गर्मी के बीच लू जान की दुश्मन बनी हुई है और पिछले 36 घंटों में इससे 45 और लोगों की मौत हो गई है। इस तरह लू से मरने वालों की कुल संख्या अब 87 हो गई है। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, पश्चिमी ओडिशा में लू से 19 और लोगों की मौत हो गई, एक ही दिन में यूपी में 16 लोगों की मौत हुई, जबकि बिहार में पांच, राजस्थान में चार और पंजाब में एक व्यक्ति की जान चली गई। ओडिशा में दो दिनों में 19 मौतें हुईं। विशेषज्ञों ने मौतों लिए अत्यधिक उच्च तापमान को जिम्मेदार ठहराया है। झारसुगुड़ा में मरने वाले नौ लोगों में से सात ट्रक चालक थे, जो खनिजों को लेकर शहर से गुजर रहे थे। उत्तर प्रदेश में शुक्रवार को मरने वाले 16 लोगों में से 11 मतदान कर्मी थे। राजस्थान में इस गर्मी में हीटस्ट्रोक से नौ मौतें हुई हैं।



राजस्थान को 48 घंटों में राहत की उम्मीद

■ भाषा, जयपुर: कई दिनों से भीषण गर्मी झेल रहे राजस्थान को आने वाले दो-तीन दिन में लू से राहत मिलने की उम्मीद है। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार एक नए पश्चिमी विक्षोभ के असर से आगामी 48 घंटे के दौरान बीकानेर, जयपुर, भरतपुर और कोटा सभाग के कुछ हिस्सों में आंशिक बादल छाए रहने और दोपहर बाद 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने और हल्की-मध्यम बारिश होने की संभावना है। आगामी 48 घंटे में अधिकतम तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस की गिरावट होने और अधिकतर हिस्सों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहने की संभावना है। इसके अनुसार राज्य के अधिकांश भागों में अगले दो-तीन दिन लू से राहत मिलने की संभावना है।